

श्रीमती सुनीता कृष्णन

Smt. Sunitha Krishnan



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्रीमती सुनीता कृष्णन

श्रीमती सुनीता कृष्णन मानव दुरव्यापार–रोधी एक अग्रणी संगठन, "प्रज्वला" की सह–संस्थापक हैं। आप एक प्रतिष्ठित मानव अधिकार कार्यकर्ता और फिल्म–निर्माता हैं। आपको यौन अपराधों और महिलाओं तथा बच्चों के व्यावसायिक यौन उत्पीड़न के प्रयोजन से किए जाने वाले अवैध व्यापार के विरूद्ध की जा रही लड़ाई के लिए जाना–माना जाता है।

2. आपका जन्म 22 मई, 1972 को हुआ। आपने ब्रो जोस वेट्टीकाटिल के साथ मिलकर 1996 में एक मानव दुरव्यापार–रोधी संगठन प्रज्वला की सह–स्थापना की। आप यौन दुरव्यापार से पीड़ितों के लिए सबसे महत्वपूर्ण पुनर्वास कार्यक्रम तैयार करने में सहायक रही हैं। प्रज्वला द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा के कार्यक्रमों के माध्यम से आज तक वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं के 8,400 से अधिक बच्चों को देह व्यापार में शामिल होने से बचाया गया है और 15,600 से अधिक महिलाओं और बच्चों को यौन दासता से निकालकर उनका पुनर्वास किया गया है। लाखों लोगों को मानव दुरव्यापार के मामले पर पीड़ित केन्द्रित एप्रोच पर सुग्राही/संवेदनशील बनाया गया।

3. आपने मानव दुरव्यापार के विरूद्ध आन्दोलन (एमएटी), मेन अगेन्स्ट डिमांड (एमएडी), देश में यौन अपराधियों के खिलाफ पहला अभियान 'शेम द रेपिस्ट अभियान' और मानव दुरव्यापार का मुकाबला करने के लिए 'स्वरक्षा' नामक एक सामुदायिक जनचेतना कारवां जैसे अनेकों नए अभियानों की अगुआई की है। आपने यौन दुरव्यापार के उत्तरजीवियों के लिए सबसे पहला उत्तरजीवी आन्दोलन 'अपराजिता' की भी नींव रखी। आप यौन दुरव्यापार और यौन अपराधों के पीड़ितों के कल्याण के लिए नीतिगत परिवर्तन लाने और कानूनी सुधार लाने में हमेशा आगे रही हैं, इसके परिणामस्वरूप, आंध्र प्रदेश राज्य देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने मानव दुरव्यापार–रोधी नीति को सबसे पहले कार्यान्वित किया है। आपने यौन व्यापार के पीड़ितों के लिए सुरक्षित आश्रय के निर्माण के लिए देखभाल के न्यूनतम मानकों को अभिव्यक्त किया है, उन्हें अभिकल्पित किया है और उन्हें कार्यान्वित किया है, जिन्हें अब आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल की राज्य सरकारों द्वारा एक नीति के रूप में अंगीकार कर लिया गया है। यौन अपराधों और यौन व्यापार का मुकाबला करने के लिए आपकी ब्रेन चाइल्ड 'निर्भया' द केरल स्टेट पॉलिसी इन 2011 को इस जघन्य अपराध का व्यापक रूप से मुकाबला करने के लिए एक अनूठी नीति के रूप में विस्तृत रूप से स्वीकार कर लिया गया है।

4. उच्चतम न्यायालय में आपके द्वारा दायर की गई जनहित याचिका से संगठन अपराध अन्वेषण अभिकरण की स्थापना और मानव दुरव्यापार का मुकाबला करने के लिए एक विस्तृत विधान का मसौदा तैयार हुआ है। राज्य स्तर पर किशोर न्याय अधिनियम के प्रभावपूर्ण कार्यान्वयन, सुरक्षा गृहों की स्थापना करने और उच्च न्यायालय में आपकी विभिन्न जनहित याचिकाओं के माध्यम से समस्त पणधारकों के लिए एक पीड़ित सुरक्षा प्रोटोकॉल विकसित करने का समस्त श्रेय आपको जाता है। आपके कार्यों की मान्यता स्वरूप आपको तेलंगाना के राज्य महिला आयोग के एक सदस्य के रूप में मनोनित किया गया और इस समय आप आयोग की सदस्य हैं। आप निर्भया नीति के लिए केरल सरकार की मानद निदेशक भी हैं। आप मानव दुरव्यापार का मुकाबला करने के लिए राज्य एवं केन्द्रीय दोनों ही स्तर पर विभिन्न नीति निर्धारण समितियों में भी हैं।

5. आपको अनेकों राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। जिनमें 2014 में सिविकस नेलसन मंडेला इनोवेशन पुरस्कार, 2013 में ह्यूमन सिम्फोनी फाउंडेशन की ओर से लिविंग लीजेंड्स पुरस्कार, डीवीएफ एक्जेंप्लरी वीमन पुरस्कार, 2013 में डाइने वोन फस्टेनबर्ग फाउंडेशन पुरस्कार, 2011 में जॉन जे कॉलेज ऑव क्रिमिनल जस्टिस इन्टरनेशनल लीडरशिप पुरस्कार, न्यूयार्क, मानवाधिकार पुरस्कार, 2011 में वाइटल वायसिस ग्लोबल पार्टनरशिप, वाशिंगटन डीसी पुरस्कार, 2009 में ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स (टीआईपी) हीरो फ्रॉम यूएस डिपार्टमेंट ऑव स्टेट पुरस्कार, सीएमएनआईबीएन रियल हीरो पुरस्कार, रिलायंस फाउंडेशन, 2008 पुरस्कार, पेरदिता हस्टन इन्टरनेशनल अवार्ड फॉर ह्यूमन राइट्स, 2006 में यूनाइटिड नेशन्स ऑव केपिटल हिल, वाशिंगटन डीसी पुरस्कार, भारत सरकार द्वारा 2003 में स्त्री शक्ति पुरस्कार शामिल हैं आपके द्वारा निर्देशित तेलुगू फीचर फिल्म 'ना बंगारू टल्ली' ने 2014 में तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। न्यूजवीक द्वारा आपको विश्व की 150 निडर महिलाओं में भी शामिल किया गया।

Smt. Sunitha Krishnan

Smt. Sunitha Krishnan, co-founder of Prajwala, a pioneering anti-trafficking organization is an eminent human rights activist and film-producer is known for her fight against sex crimes and trafficking of women and children for the purposes of commercial sexual exploitation.

2. Born on 22nd May, 1972 Smt. Krishnan along with Bro Jose Vetticatil co-founded Prajwala, an Anti-Human Trafficking organisation in 1996. She has been instrumental in evolving one of the most holistic rehabilitation programs for victims of sex trafficking. Till date, through Prajwala's education programs over 8,400 children of women in prostitution have been prevented from being inducted into flesh trade, and more than 15,600 women and children have been rescued and rehabilitated from sexual slavery. Millions have been sensitized on the issue of human trafficking and for a victim centric approach.

3. Smt. Krishnan has pioneered various path breaking campaigns such as Movement against Trafficking (MAT), Men Against Demand (MAD), the first ever compaign against sex offenders in the country Shame The Rapist Compaign and 'Swaraksha' a community awakening caravan to counter trafficking. She also founded the first ever survivor's movement "Aprajitha" for survivors of sex trafficking. She has been at the forefront in bringing in policy changes and legal reforms for the welfare of victims of sex trafficking and sex crimes such as the first ever anti-trafficking policy in the country implemented by the State of Andhra Pradesh. She articulated, designed and implemented the Minimum Standards of Care for Safe Shelters for Sex trafficked Victims, which is now adopted as a policy by Government of Andhra Pradesh, Telangana and Kerala. Her brain child 'Nirbhaya' the Kerala State policy in 2011 to fight sexual crimes and sex trafficking is widely recognized as a unique policy to fight this grievous crime holistically.

4. Smt. Krishnan's Public Interest Litigation in the Supreme Court has led to the establishment of Organization Crime Investigation Agency and a draft a Comprehensive Legislation to Combat Trafficking. At the State level Ms. Krishnan has been responsible for the effective implementation of Juvenile Justice Act, setting up of protection Homes and evolving a victim protection protocol for all stakeholders through her various PIL's in the High Court. In recognition of her work, she was nominated and currently serves as a member of the State Women's Commission, Telangana and is also is the Honorary Director to the Government of Kerala for the Nirbhaya Policy. She is also in various policy formulating committees both at State and Central level to combat human trafficking.

5. Smt. Krishnan has been honoured with several national and international awards including CIVICUS Nelson Mandela Innovation Award in 2014, Living Legends Award from Human Symphony Foundation in 2013, DVF Exemplary Woman Award, Dianne Von Furstenberg Foundation in 2013, John Jay College of Criminal Justice International Leadership Award, New York in 2011, Human Rights Award, Vital Voices Global Partnership, Washington DC in 2011, Trafficking in persons(TIP) Hero from US Department of State in 2009, CNN-IBN Real Hero Award, Reliance Foundation 2008, Perdita Huston International Award for Human Rights, United Nations of Capital Hill, Washington DC in 2006, Stree Shakti Puraskar, Government of India in 2003. "Naa Bangaaru Talli" a telugu feature film produced by Ms. Krishnan won three national awards in 2014. She was also recognized as 150 Fearless Women in the World by Newsweek.